Baba’s Praise

27/8/2015

- बच्चे किसके सामने बैठे हैं। बुद्धि में जरूर चलता होगा कि हम पतित-पावन सर्व के सद्गति दाता, अपने बेहद के बाप के सामने बैठे हैं।
- बच्चों को अपने को आत्मा समझना पड़े। हम सब आत्माओं का बाप वह है। वह बाप हमको स्वर्ग का मालिक बना रहे हैं।
- कछुए का, सर्प का, भ्रमरी का दृष्टान्त देंगे। नारद का मिसाल भी है। यह सब दृष्टान्त, ज्ञान के सागर बाप ने ही दिये हैं।
- सिवाए बाप के कोई भी आत्मा पवित्र बन वापिस जा नहीं सकती।

- हम आत्माओं का बाप परमपिता परमात्मा है। परम टीचर भी है। यह भी हरदम बच्चों को याद रहना चाहिए।
- तुमको राजयोग परमपिता परमात्मा सिखला रहे हैं।
- तुम ईश्वरीय औलाद बने हो। ईश्वर बैठ तुमको शिक्षा देते हैं। यह सुप्रीम बाप, सुप्रीम टीचर, सुप्रीम गुरू भी है।
- देवी-देवता धर्म का बीज शिवबाबा ने ही लगाया है।

- अभी तुम जानते हो बाबा हमको शूद्र से ब्राह्मण बनाए फिर देवता बनाते हैं।
- बाप ही कहते हैं तुम अपने जन्मों को नहीं जानते हो, मैं बताता हूँ। ऐसे और कोई मनुष्य कह न सके। तुमको अब बाप स्वदर्शन चक्रधारी बनाते हैं।
- बाप ही आकर आदि सनातन देवी-देवता धर्म की स्थापना करते हैं। फिर विनाश भी होना है। स्थापना, विनाश फिर पालना।